प्रकाशक की ओर से

इसमें कोई संदेह नहीं है कि जलवायु में बदलाव हो रहा है और मानवीय गतिविधियां उसका एक कारण हैं– इसलिए इस संभावित वैश्विक संकट से निपटने के लिए सभी के सहयोग से एक समन्वित कार्रवाई ज़रूरी है। इस संकट को हल करना सिर्फ सरकारों के बस की बात नहीं है। हमें शोध, आंकड़ों, विशेषज्ञता, विचारों, जानकारी, कार्मिकों, पूंजी और नेतृत्व के लिए निजी उद्यमों के पास उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करना ही चाहिए। हर व्यक्ति, चाहे वे कहीं भी रहते हों, ओज़ोन पर्त, हरियाली, साफ़ पानी के बचाव और जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को कम करने के लिए निजी तौर पर विकल्प अपना सकते हैं।

अमेरिका ऊर्जा सुरक्षा को सशक्त बनाने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावी हल खोजने में अपने योगदान को लेकर प्रतिबद्ध है। जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए अगले साल तक 2012 के बाद पर्यावरण की दृष्टि से प्रभावी और आर्थिक रूप से टिकाऊ ढांचा विकसित करने के संयुक्त राष्ट्र के प्रयास में हम पूरी तरह शामिल हैं। भारत सहित हमारे सहयोगियों से इस मुद्दे पर अमेरिका सर्वसम्मति हासिल करने और पर्यावरणीय क्षति को कम या खत्म करने वाली नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने और लागू करने के काम को बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

स्पैन के इस अंक में जलवायु परिवर्तन के बारे में लेखों का आवरण पैकेज स्थिति की गंभीरता और दिसंबर 2007 में नोबेल शांति पुरस्कार समारोह के दौरान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अल गोर और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज के चेयरमैन आर. के. पचौरी द्वारा वैश्विक वचनबद्धता और सहयोग की अपील प्रस्तुत की गई है। भारत स्थित अमेरिकी पुस्तकालयों में देखने के लिए उपलब्ध एकेडमी अवार्ड प्राप्त फ़िल्म 'एन इनकन्वीनिएंट ट्रुथ' की अरुंधति दास द्वारा की गई समीक्षा भी हमने शामिल की है। विचार–विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए जैसी लिख्टेन्स्टीन का लेख ''अनिश्चित सत्य'' भी प्रस्तुत है जिसमें कहा गया है कि हम अभी भी यह नहीं जानते कि जलवायु में बदलाव किस दर पर और कितना हो रहा है और यह निर्णय लेने वालों को लचीला रुख अपनाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

अमेरिकी जान रहे हैं कि सार्वजनिक–निजी साझेदारी पर्यावरणीय चुनौतियां हल करने की कुंजी है। देशों में छोटे व्यवसाय और बड़ी कंपनियां संचालन, मशीनरी, अपशिष्ट निपटान में नए तरीकों और नए उत्पादों का उपयोग कर ही रहे हैं। ऐसे कुछ प्रयासों की झलक एंडी आइज़कसन के लेख ''प्रकृति के नक्शे कदम पर'' और एंडमन एफ़ शर के लेख ''नई प्रौद्योगिकी से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी'' में देखी जा सकती है। लीसा ए. स्वेनास्र्की डि हरेरा का लेख ''जलवायु परिवर्तन में कॅरियर'' दिखाता है कि संसार को नए विचार चाहिए और इसका अर्थ है नौकरियों में अग्रदर्शी अवसर। तथ्यों और आंकड़ों के अलावा आशा है कि आपको पर्यावरण के पक्ष में हम सभी द्वारा चुने जा सकने वाले विकल्पों : कागज़ या प्लास्टिक के थैले, मैनुअल या ऑटोमैटिक कार ट्रांसमिशन, अंडा, दूध या शुद्ध शाकाहार के बारे में लेख भी पसंद आएंगे। मुखपृष्ठ पर पर्यावरणीय सरोकारों को मुखर करती अपनी मिक्सड मीडिया कृति ''फॉयर'' के इस्तेमाल की उदार हृदय से अनुमति देने के लिए हम चित्रकार सुजाता बजाज के आभारी हैं। सुंदर संगीत की ही तरह सुंदर कलाकृति भी आत्मा को झकझोर देती है।